

DPN 5491

Title : १. महालक्ष्मी व्रतविधि
2. पञ्चतन्त्र

MAHĀLAKṢMĪ VRATA VIDHĪ
PANCA TANTRA

Run. No. 6182

Cat. No.

Micro. No.

Subject १. महालक्ष्मी + रीतिवचन

Religion : Hindu / Bauddha

Ritual or didactic story

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

पञ्चतन्त्र / पञ्चतन्त्रात्मक नव्य नेपाली भाषा

Pancha Tantra / Tāntrākhyān

Size in cms. 20.3 x 7.3

Folios 16

Lines (in a page) 7

ten stories in new

Newa direction in Mahalakṣmī
vrata ritual text

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor अइन (इअन ?)

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyaṣaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Smoky dark. Beginning and end folio missing.

Beginning, colophon, post-colophon :

↓
इति महालक्ष्मी व्रत विधि समाप्तः ॥ "युक्तान्तु (सर्वदा) ॥

Remark / टिप्पणी :

पञ्चतन्त्र भाग १५ नव्य नेपाली भाषा पञ्चतन्त्रात्मक भाग १५ : This codex contains
Tāntrākhyān newa story

[illegible]

ॐ अननासनायनम॥ ॐ यगासनायनम॥ ॐ कर्णिकासनायनम॥ ॐ मदा
मुकली आसनं ॥ ध्यान॥ निर्मासं चानुवदनी चणुमुणुनिवन्धिनि कया
लमालिनिदवि मूणुखदाम् धाविनि। नागयज्ञायविगाङ्गी यगवाक
मिनि। मूदायागै विरुनि रुतुकेतुसमन्विता। कालिकलालवदनि
आत्वानीलाययूयता॥ मदाकालिमूर्क्यै ध्यानयूयनम॥ गिर्यायै नि॥ ०
ॐ मदाकालिमूर्क्यै गिर्यायै लियूयनम॥ १॥ ॐ मदाकालिहृदययनम॥
ॐ मदाकालिगिर्यायनम॥ ॐ मदाकालिगिर्यायनम॥ ॐ मदाकालिकवचाय

ॐ मदाकालीनगायनम॥ ॐ मदाकालिश्रुतायनम॥ आवाहनं सुयनम
निधानं सन्निधायायाद्याद्यावन्तनादगतयूयनम॥ ०॥ वामराजं वाम
विदुर्जनं॥ ॐ आध्वगै यनम॥ ॐ अननासनायनम॥ ॐ कंदसनायन
ॐ नानायगायनम॥ ॐ यगासनायनम॥ ॐ कर्णवासनायनम॥ ॐ कर्णिका
सनायनम॥ ॐ यद्वासनायनम॥ ॐ कामाची आसनं नम॥ ध्यान॥ ॐ निर्मा
हृदयवर्णदिकागा दाठिमिकसमयरा। गुदायै रुतुहादिति न
आदध्वनिगीयना। मूदायागै विरुनि नानालकालरुषिगा। नाना

लक ७ समावृटा सर्वयिना जन्मदिना । उर्वं ध्या त्वाय यत्र न कोमा
विर्केयुष्टयरा ॥ कोमाचीमरुथ ध्यानयर्थे नमः ॥ ॐ कोमाचीमरु
यगिया ॐ लियुर्थे नमः ॥ ॐ कामाचीद्वययाय ॥ ॐ कामाचीगिब ॥ ॐ
कामाचीनिखाय ॥ ॐ कामाचिकववाय ॥ ॐ कामाचीनगाय ॥ ॐ कामा
चीमरुसाय ॥ आवाहनादि ॥ ० ॥ मध्यामूलदविष्टयुष्टयरा ॥ ॐ
ॐ स्वकुर्थे नमः ॥ ॐ विरुर्थे नमः ॥ ॐ कालायुचीमहायि ॥ ॐ आधायक
य ॥ ॐ अननासनाय ॥ ॐ कंदारनाय ॥ ॐ नावायरा नाय ॥ ॐ यणसन

य ॥ ॐ यद्रासनाय ॥ ॐ कर्णुकासनाय ॥ ॐ अष्टदवयरा ॥ ॐ उयाये
॥ ॐ विजयाये ॥ ॐ अडिगाये ॥ ॐ अयवाडिगाये ॥ ॐ उमुये ॥ ॐ रुकुने
॥ ॐ मादये ॥ ॐ आकये ॥ ॐ महालक्ष्मी आसनं ॥ ध्यान ॥ ॐ रुव
वर्णुदिकाङ्गा गिनगासिवादिनि ॥ ॐ यद्यदसि तादविनि लात्यल दल क
॥ ॐ आउणकुडाका ना सव्वाल कानरु विगा ॥ ॥ खड्गयणु सव्वरु ॥
गिणुलंयद्रमवव ॥ दक्कि (गनधृता जता ववदीरुय धाविणि । गधायव
लदरुन दटकंदिणि मंधनं ॥ कमन्दलु नागयाणी कयालयुष्टका

ॐ ॥ ज्ञा द्वा लक्ष्मी नमः ॥ अति वा द्वा द्वा का जिनि ॥ ॐ वं ध्या त्वा य य त्व न
महा लक्ष्मी य यू ज य त् ॥ महा लक्ष्मी मूर्त्य ध्या नं य य नमः ॥ ० ॥ ग गाय त्र
शाल लक्ष्मी यू ज ॥ ॐ महा लक्ष्मी नमः ॥ ॐ सर्व लक्ष्मी नमः ॥ ॐ विश्व लक्ष्मी नमः ॥ ॐ
उवन लक्ष्मी नमः ॥ ॐ चा अल लक्ष्मी नमः ॥ ॐ मणु लक्ष्मी नमः ॥ ॐ गृह लक्ष्मी नमः ॥ ॐ
धन लक्ष्मी नमः ॥ ॐ ध्या त्वा लक्ष्मी नमः ॥ ॐ स नान लक्ष्मी नमः ॥ ॐ उ य लक्ष्मी नमः ॥
ॐ स्व दल लक्ष्मी नमः ॥ ॐ वृ द्धि लक्ष्मी नमः ॥ ॐ वृ गिल लक्ष्मी नमः ॥ ॐ हान लक्ष्मी न
मः ॥ ॐ भा द्वा लक्ष्मी नमः ॥ ॐ महा लक्ष्मी नमः ॥ आ वा द्वा ना दि ॥ ० ॥ ॐ उ य ज य

य व म श्व ची या दि ॥ ३ ॥ ॐ महा लक्ष्मी मूर्त्य गिया अलि वृ थ नमः ॥ ६
ॐ उ य नमः ॥ ॐ उ द्वा का लो नमः ॥ ॐ क ज वि लो नमः ॥ ॐ व ल वि क म (लो
नमः ॥ ॐ व ल य म थ नो नमः ॥ ॐ सर्व रु ग द म नो ॥ १ ॥ ॐ म नान म नो नमः ॥ आ वा द्वा
ना दि ॥ ० ॥ ॐ वृ द्वा दि मृ द्वा मा गि क ह्या नमः ॥ ॐ य च लो दि द यो नमः ॥
ॐ विश्व द यो नमः ॥ ॐ विश्व श्व यो नमः ॥ ॐ महा ची द्वा नमः ॥ ॐ वि ज ना यि का यो
॥ ॐ दा व नो नमः ॥ ॐ वि दा व लो नमः ॥ ॐ कृ द नो नमः ॥ ॐ धू मा यो नमः ॥ ॐ धू म व
यो नमः ॥ ॐ कृ द्वा नो नमः ॥ ॐ म द्वा लो नमः ॥ ॐ धी सि नो नमः ॥ ॐ वि द्वा दि द्वा यो ॥

ॐ कृष्णकृष्णनमः॥ ॐ वलायेनमः॥ ॐ अशिवलायेनमः॥ ॐ कृष्णदालि॥ ॐ
ॐ अशिवलायेनमः॥ ॐ महादययेनमः॥ ॐ महाकालिनेनमः॥ ॐ आवाहनादि
॥ ॐ उयनाथायनमः॥ ॐ विउयनाथायनमः॥ ॐ धीनाथायनमः॥ ॐ सिद्धिनाथा
यनमः॥ ॐ दवनाथायनमः॥ ॐ उद्वनाथायनमः॥ ॐ अस्वनाथायनमः॥ ॐ
नागनाथायनमः॥ ॐ विशाध्वनाथायनमः॥ ॐ रुतनाथायनमः॥ ॐ धुगना
थायनमः॥ ॐ विष्णवनाथायनमः॥ ॐ गवृणनाथायनमः॥ ॐ महादलना
थायनमः॥ ॐ किन्नवनाथायनमः॥ आवाहनादि ॥ ॐ कालायनीम

हारेववायनमः॥ ॐ नयालवकुलदविशः॥ ॐ ययागमाहध्वनीदवि
नमः॥ ॐ लंकायां बाह्वसिदविनमः॥ ॐ जानध्वकामवृथिदवीनमः॥
ॐ कामूयां कामादादवीनमः॥ ॐ दविकाटदवकिंदवीशः॥ ॐ उडिया
नरुदकालीदवीनमः॥ ॐ स्वप्रदसायनमः॥ ॐ यवृदसानमः॥ ॐ स
वदसायनमः॥ ॐ सुगदसायनमः॥ ॐ कमधुलरुसायनमः॥ ॐ सडनिदसा
यनमः॥ आवाहनादि ॥ ॐ उलं॥ ॐ महाकाविनमः॥ ॐ सुहामददनी
नमः॥ ॐ अवनिवक्सायनीनमः॥ ॐ नकुलवदकायनमः॥ ॐ यवेदवयू

गायतम॥ ॐ मङ्गलम् नमः॥ ॐ वाचमहादेवो नमः॥ ॐ विचमहादेवो नमः॥ ॐ निम्बावर्गिमहादेवो नमः॥ आवाहनादि॥ ॐ ६६ न्यादिलोक
 यालङ्कानमः॥ ॐ अश्वत्थामादि अश्वत्थविर्द्धिविश्वानमः॥ आवाहनादि॥ ॐ
 ॐ चक्रवर्जयनमः॥ ॐ यशस्विदायनमः॥ ॐ सामवदायनमः॥ ॐ अथर्विदायनमः॥
 आवाहनादि॥ ॐ ॐ कृतायुगयनमः॥ ॐ गतायुगयनमः॥ ॐ द्वायलयुगयनमः॥
 ॐ कलियुगयनमः॥ ॐ दिव्ययुगयनमः॥ ॐ वायुयुगयनमः॥ ॐ यक्षायनमः॥
 ॐ मासायनमः॥ ॐ अगस्त्यनमः॥ ॐ समस्तत्रायनमः॥ ॐ यत्रियदादि विधि

श्रानम॥ ॐ कृत्ति कादिनदुर्ग श्रानम॥ ॐ विष्णु रादिया ग श्रानम॥
 ॐ मरवादि नागि श्रानम॥ आदियादिनवग्रह श्रान॥ ॐ गणयतयनम॥
 ॐ कुमावायनम॥ आवाहनादिः॥ स्नान॥ धर्मो गियनि सृल खधा स्रा
 नडानक॥ यावन् सर्वनिर्धनं गमादिसय सागर्व स्नानं युक्त॥
 ल्यि तंद वि सल्लिले । स्नाययाम्पदं ॥ ॐ ॥ दणयति ॥ ॐ वरुं काय्य
 सकी धर्यं । त्वं कृणादि निर्मितं ॥ गृह्णतां दवदवलि कामल वरुमु
 लम॥ ॐ ॥ चन्दन ॥ ॐ मलयादि समुद्र तदवा नां यत्र मं प्रियं ॥ वाडा

नमः सर्वदेवानां ॥ वन्दनीयं गिर्युगं ॥ १ ॥ नाभकवत ॥ ॐ कथुना
गुच्छकलुचि नानागन्धसूसंयुतं । गृध्रमङ्गलार्थं यमहालक्ष्मि
दम ॥ ० ॥ दियाडाडाम ॥ ॐ आउण गं दु संयुक्तं मयवि तं सुमारुन ।
गृध्र गं दविगलुगं । महालक्ष्मिवचयद ॥ १ ॥ तास्वान ॥ ॐ कोलाचि
तयथायुष्यं यक्षवर्णः सुगन्धिरिः । आदर्शयन्ति तं मालां गृध्र गाय
वमनि ॥ १ ॥ दियागुठडी दियाश्रुत ॥ ॐ इदं कृतं यद्विपक्षे ।
सर्वमङ्गलमङ्गलं । आउण कृतसंयुक्तं महालक्ष्मिपुत्रकुम ॥ ० ॥

दियाद्वाहल ॥ ॐ कन्दर्वायुतयुष्यं स्वतयुध्यालमारुतं । प्रसिद्ध
वदवनि गृध्र गायवमभवि ॥ १ ॥ यत्नं ॥ सुवह्यलिमन्तामाउं ।
गगायणं सुमङ्गलं आनन्दकवर्णचिरं यद्वायुष्यं पुत्रिकुम ॥ ० ॥
उहाल ॥ ॐ नीलाहलमिसंयुष्यं यद्विगं निववन्नरुं । महालक्ष्मीमह
लानि गृध्र गायविकिलं निर्व ॥ १ ॥ धवन ॥ ॐ कन्दर्वरुससंजात ॥ १ ॥
वृद्धवयिथं कवी । गृध्र गानं महालक्ष्मी दमनीयं गिर्युगं ॥ १ ॥
उजिस्वान ॥ ॐ महाविजयतांथानि । युव्यजातिसमन्वितां नानागन्ध

सूगन्धाङ्गि जागियूय्यं नमामुते ॥ ० ॥ तुलसि ॥ ॐ ऐं लाक्क याव नं य गुं तु
लगा हवि वन्न रु। गीर्थरु तं उग पुस्य तुलसि यति गृष्ट रु ॥
मालिस्त्रान ॥ ॐ माल्यानि सूगन्धानि माल्या विविधानि च। मया दत्तं तु य
ऊर्थं महा लल्लानामामुते ॥ ॥ गता कलसयूजा ॥ ॐ गंगायेश ॥ ॐ उम
नायेश ॥ ॐ सचस्रथेश ॥ ॐ नर्मदायै नमः ॥ ॐ गङ्गादायै नमः ॥ ॐ सिन्धवनमः ॥
ॐ कावयै नमः ॥ ॐ वद्वेण नमः ॥ ॐ विष्णुवनमः ॥ ॐ नृदायै नमः ॥ ॐ सदासिवायै नमः ॥

ॐ नमः शिवाय नमः ॥ ॐ शुभ सुमादि शुभ चिन्ता वीर्या २ ॥ ॐ आदित्यादि
नवग्रहानामः ॥ ॐ सूर्य कलसाय २ ॥ ॐ अमृतिध्वजाय २ ॥ ॐ मुख्य
उयाय नमः ॥ ॐ आवाहनादि ॥ ऊँकांकास्त्रानां ॥ गतासनवृद्धा ॥ ॐ अनन्ता
यनमः ॥ ॐ वासुकिनमः ॥ ॐ गङ्गाकायनमः ॥ ॐ कुन्ति कायनमः ॥ ॐ शिवाया
यनमः ॥ ॐ कर्कशकाय २ ॥ ॐ यद्वायनमः ॥ ॐ महायद्वायनमः ॥ ॐ मानस
चक्रानामः ॥ ॐ सकलागवक्षानामः ॥ ॐ सकलागालानामः ॥ ॐ वीर्याय
नमः ॥ ॐ मेनिकाय नमः ॥ ॐ उर्वरानामः ॥ ॐ गिलाहमाय नमः ॥ ॐ ॥

आवाहननादि॥ उअमका॥ स्नान॥ ० ॥ गंगावलियूजा॥ ॐ कालाय विम व
हारेव वाय ॐ मविलि गृह २ खा हा ॥ ॐ स्वस्नानक गुवालाय ॐ मव
लि गृह २ खा हा ॥ ॐ नयालवकु लाय ॐ मविलि गृह २ खा हा ॥ ॐ
धियागमादध्वजीद वि ॐ मविलि गृह २ खा हा ॥ ॐ लंकाया जाद सिद
वो ॐ मविलि गृह २ खा हा ॥ ॐ दवी काया दव कीद वो ॐ मविलि गृह
२ खा हा ॥ ॐ उाठियानरुद कालीद वो ॐ मविलि गृह २ खा हा ॥ ॐ आवा
हनादि॥ उअमका॥ स्नान॥ ॥ लंखूवलियूजा॥ ॐ न कठि द्वाय नम

॥ ॐ द्विठि द्वाय नम॥ ॐ सुलठि द्वाय नम॥ ॐ दिगध्ववाय नम॥ ॐ उठि द्वा
क गुवालाय २॥ आवाहननादि॥ उअमका॥ स्नान॥ ॐ ॥ ॐ गंगाकुल व
कुमुयूजा॥ ॐ अणि गा हरेव वाय नम॥ ॐ वृवरेव वाय नम॥ ॐ व
पुरेव वाय नम॥ ॐ क्राधरेव वाय २॥ ॐ उनसक रेव वाय नम॥ ॐ क
यालरेव वाय नम॥ ॐ रिखनरेव वाय नम॥ ॐ संहालरेव वाय २
नम॥ आवाहननादि॥ स्नान॥ ० ॥ गंगागणाय गियूजा॥ ॐ विश्वध्ववा
य नम॥ ॐ गणाय गय नम॥ ॐ हल म्वाय २॥ ॐ लंवा द वाय नम॥ ॐ ग

ऊवकायनम॥ॐ न कदनायनम॥ॐ यत्र शुद्ध सायनम॥ॐ आरु
वाहनाय॥ॐ उ नय के श ग ग (ग) सा य के श॥ आवाहनादि॥ उऊ
मकास्थान॥ ० ॥ ग ता (ग) य स यू डा॥ॐ न न्दायेनम॥ॐ रु द्वाये॥
ॐ सुमन (ग) नम॥ॐ सु गि लार्थे॥ॐ क यि लादि य के (ग) स्थानम॥
आवाहनादि॥ उऊ मकास्थान॥ ॥ ग ता का मा नी यू डा॥ॐ व
का (ग) नम॥ॐ माह श्वलिनम॥ॐ का मा नी॥ॐ वे यू वी नम॥ॐ वा
वादिनम॥ॐ न्दायनि॥ॐ वा मू ण्म यनम॥ॐ म दाल क्री नम॥

आवाहनादि॥ उऊ कास्थान॥ ॥ क वा यू डा॥ॐ सृ र्थायनम॥
ॐ विष्णु वनम॥ॐ सदा गि वा यनम॥ॐ ग रु ल क्री नम॥ॐ न्दाय
वतायनम॥ आवाहनादि॥ उऊ मकास्थान॥ ॥ धू य॥ॐ न्दाय
मंग र्थं स र्म स्का रं नाना यत्रिम लान्नि र्गं । व द्दु द्दु स मा यू कं धू
थार्य युति गृ य्म र्गं ॥ ॥ दीय ॥ॐ न्दाय कू रा सय न्दाय । य रा य द्दु
लि र्गं गि र्वा । यू ग न्ते ल स मा यू कं दि धार्य युति गृ य्म र्गं ॥ ० ॥
माहानि र्गं ॥ माहानि स र्ग न ॥ॐ न्दाय ल सि डि स र्म स्का रं इ लि ता वि

^{सं}
 द्विविधं रेव वंथा गिति रोगं च द्वां सर्वं रुच्यं च ॥ ० ॥ नेव श
 ॥ उं युधि वृत्तं समं लयनं वेयांया लधा च कं । नाना य कान संयु
 कं नेव शं युति गृह्य गं ॥ ० ॥ आच मन ॥ स्ना नादि कं विधा
 यादि यनं । सुद्धि मवाय्य न । गद वाचन नी य के महा ल स्त्री वि
 धीय गं ॥ ० ॥ शाल ॥ गृह्यार्चं सर्वं वाग लं मूरवा लं काल मन्द लं
 सर्वोद्गाद क वं यु लं गाम्बु लं युति गृह्य गं ॥ ० ॥ द्वा स्तन र ॥
 यूर्ण च नु निरु विमं द य लं मङ्ग लं यनं आ न्न विम्व क रं द क

संयदाय ऊया च ॥ ॥ सिंधु मंद स ॥ सिंधु वं विच तिल कं द
 वाना मोलि मन्द नं सर्व सो रा ग्य सिद्धो र्थं सिं दू वं युति गृह्य गं
 ॥ ० ॥ स सा स रं न ॥ रु लं धा ठं गं संयु कं मि क् (श्वे व सु सा रु नं ॥
 गृह्य गं नं महा ल स्त्री मया द लं सु य क व ॥ रु ल ने व श गाम्बु लं ।
 य कानं वि वि धा नि च । धू य दि या दि य य्या णि गृह्य गं य व म ग्ध वी
 ॥ ॥ अर्थ वि य ॥ अश वा वा रु क त्या दि ॥ गं रा म्बु स दि रं की र्चं य य
 इ वो क्ता चि रं । रु ल च न्द न ग धा दि अ द्या र्य युति गृह्य गं ॥ ॥

॥ ऊँ ॥ ऊँ ॥ ऊँ ॥ म हल लक्ष्मी नमः ॥ स्वाहा ॥ उर्यं कृत्वा तु सं गच्छ ॥ न
अनि सर्व किलिषं । अरि सु हल दद वि उय न स्थिति गृह्ण गी ॥ य
था काला वि रं वृष्यं यथा काला वि रं हलं । यथा सं रु व व सू नि र
था र्वं यु गि गृह्ण गी ॥ ० ॥ स्नान कटा वा वा य ॥ भ्रातृ ॥ नमः सुत महा
लक्ष्मी नमः सु सु म हं वि उकि मु कि य द द वि नमः सु सौ नमान
म ॥ सिंहा सन ग गा द वि वा द्वा नि ग र्क सं रु वा । काला सू च वि नाशाय
महा लक्ष्मी नमः सुत ॥ गया सू च वि नाशाय को मा ची च य धा वि नि

कुरिया गरु र्क रू गा नमः सु सौ नमानम ॥ लव ना सू च वि नाशाय
नि च र्वं ग म म ड् रु वा । कालिके चाल व द नि नमः सु सौ नमानम ॥ चक्र
ध्वनी महा देवी यवा य च म चू यिणी । माया वी उलय द वि नमः सु
सौ नमानम ॥ यच्छं दं य ० गं शा र्णं । सद सं य द मा यू या रू ॥ यू ग यो ग
य वृ र्द न्ध न धा न्या दि व द्ध र्न ॥ नमः सु यूर्ज क क्का य ॥ या य वृ द्वि द जा
य च । अ मृ ति ध वा य द वा य मृ र्क उ र्य नमः सुत ॥ स च मृ लि नमः सु
सु ग ण सा य नमानम ॥ नमः सु म र्क (ग) मा य को मा र्क उ नमानम ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कल दवनमानम ॥ स्वस्मान्द्रुगयालाय विष्णु
द्रुगायवेनम ॥ याथाहं यावक म्माहं यायासायावसं रुवः ॥ गदिमं
दवदवशि सर्वयायहनायच ॥ अन्तर्गुमवर्णनासि त्वमवशवर्णम
मा ॥ गस्मात्कावर्णरावनत्रद्रुवद्रुयवमध्ववि ॥ अगर्गक्षदि ॥ ॥
वगकाकाय ॥ ॐ सर्वत्रक्षी विश्वत्रक्षी उवनलक्ष्मी गथेवच ॥ वा
अलक्ष्मी मणुलक्ष्मी गृहलक्ष्मी गथेवच ॥ धनलक्ष्मी अन्तर्लक्ष्मी ल
क्ष्मी सानानगवच ॥ उयलक्ष्मी स्वप्नलक्ष्मी वृद्धिलक्ष्मी गथेवच ॥ ॐ

गिलक्ष्मी हानलक्ष्मी भाद्रलक्ष्मी गथेवच ॥ वगासावायकादवि
मदालक्ष्मी नमामुग ॥ ० ॥ वगकादिय ॥ यन्कि ॥ ॐ उयउयत्यादि
॥ ॥ आउगनिचर्गूनि यनूनिधाउसानिच ॥ तदियथाउगक
ला लक्ष्मी कामरुलयदा ॥ ह्याय ॥ अष्टर्द्धनधनक्षेत्रं प्रियं युगा
युयवच ॥ स्वकं वक्ष्याम्यहं ॥ विष्णुश्च विनमामुग ॥ द्रुमा ॥
अष्टयहनिदवसि यावदादीमथाउगं गदुर्कं कविशामि मं

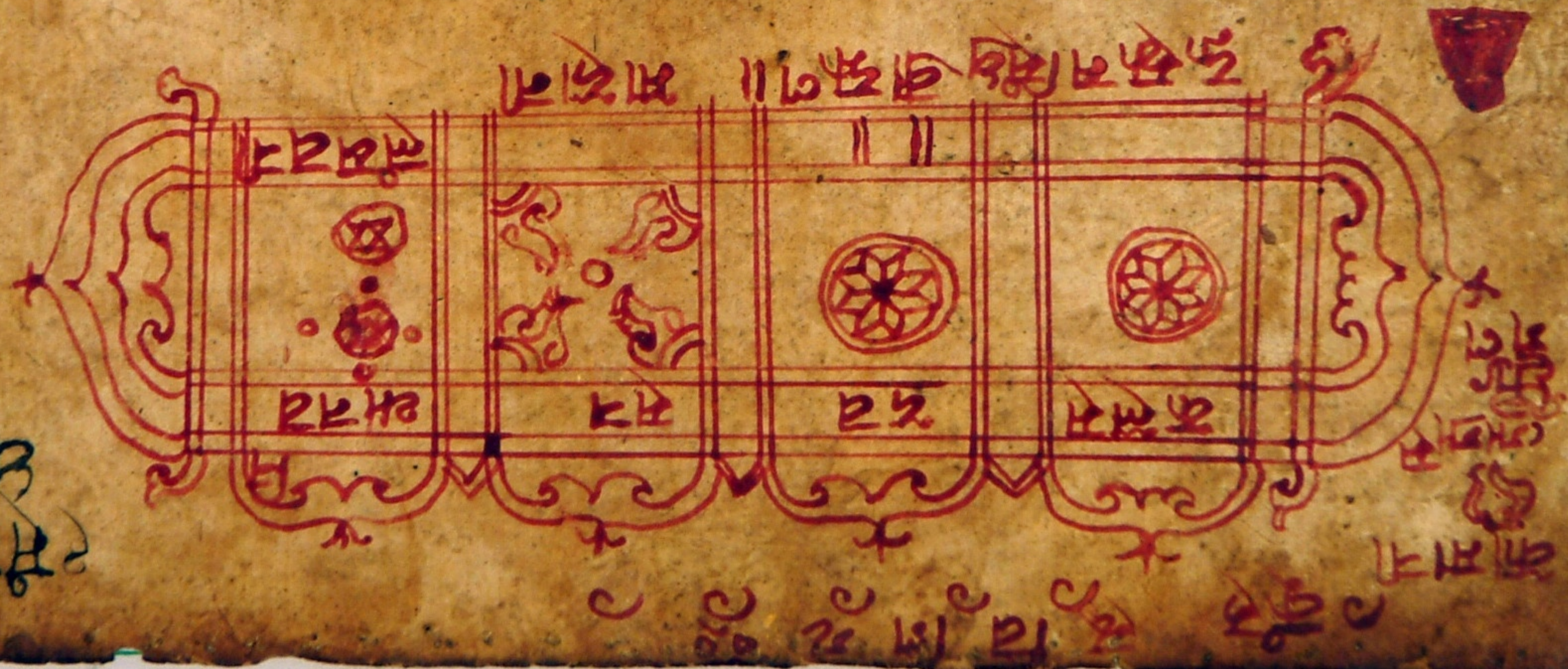
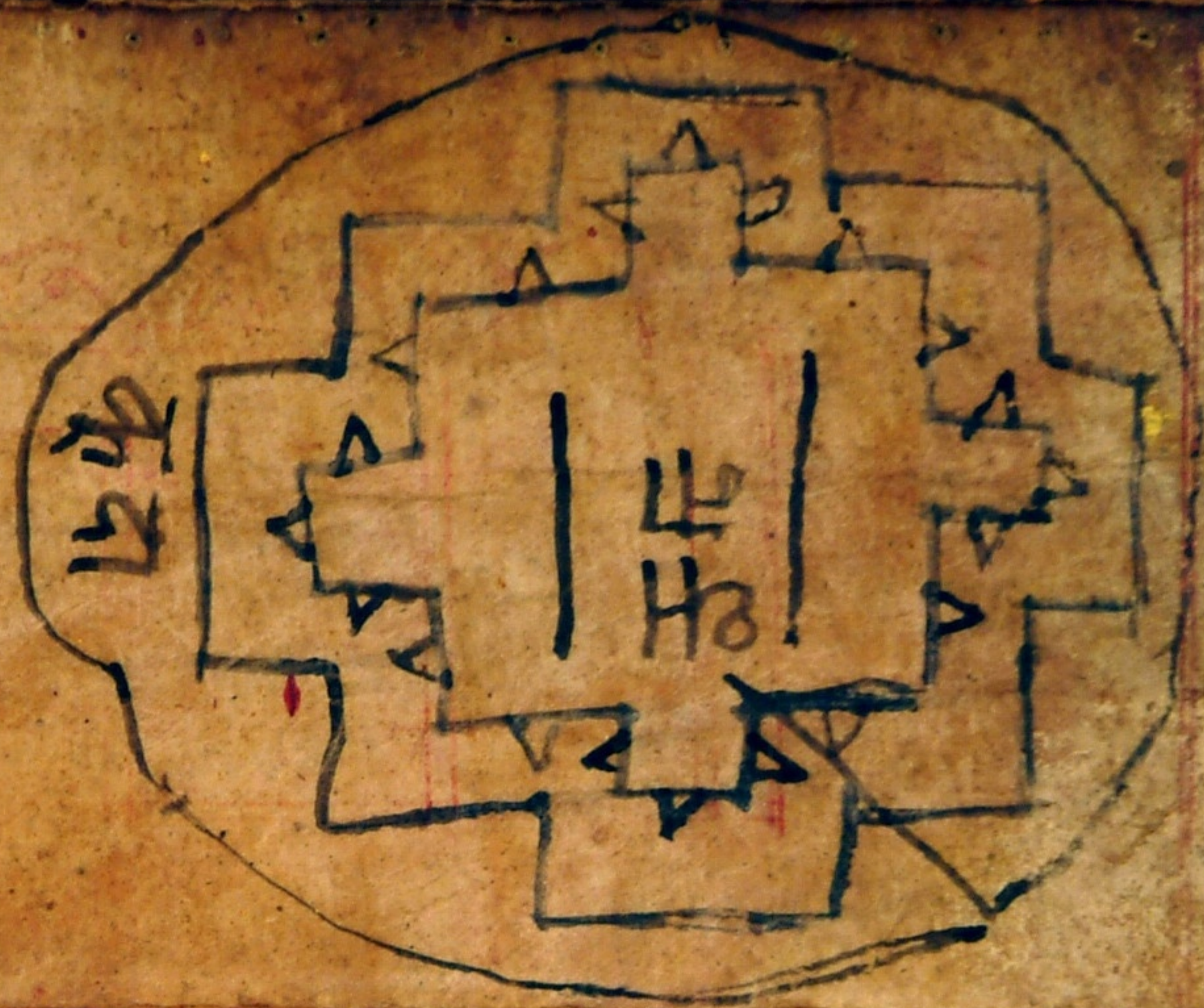
युसि। दनभा सुतं ॥ ॥ मउत्रविमर्द्धनं ॥ वृत्तकालिद्राय ॥ ॥
नमस्तु सुमहालक्ष्मी सृगर्गतिस्वर्दत्तव । युयच्छुसिमहाद
वीणके नवमदृष्टवी ॥ ससृगिमहालक्ष्मी विधानं दिमभायि
वा । त्वच्च सादा सदा रुव ॥ कवायि वृत्तयूजनं ॥ वृत्तनयूजा ॥
वलिनर्थदत्तासा ॥ मया द्रष्टु ॥ चंद्रमायज्ञाश्च

॥ वायनद्रायवाक् ॥ यथा कथा उग्वर्ष । संपूर्णवादि यूजनं

नभावासगृहस्थिया । आउणाकमलालय ॥ आउणिवायनकेव स
रावयुतिगृह्यतां । यथा कयुत्रणमर्द्ध रुकि मूकियसीदु ॥ स
हालक्ष्मीगवकुता रुवसाकिनिष्ठाकन ॥ त्वद्वृत्ताशायनके
व कविष्ठा मिसुधद्रया ॥ यद्धदविर्मयद्र ममवर्णनिधनय । य
थासयुगवर्द्धन सृष्टी स्यात्त्वत्सादत ॥ ॥ ध्वनवायनद्रायविधि
॥ ॥ चन्द्रमायूजा ॥ उचन्द्रमसश्च ॥ उनिष्ठाताथयश्च ॥ उनिर्गातावश्च

ॐ गणेशाय नमः ॥ १ ॥ ॐ कलानिधय ॥ २ ॥ ॐ मृगच्छाय ॥ ३ ॥ ॐ नन्द ॥ ४ ॥
 ॐ कमुदवाधवाय ॥ ५ ॥ ॐ प्रादिणीयतय ॥ ६ ॥ ॐ तावाधियतय ॥ ७ ॥ ॐ
 हंसासनाय ॥ ८ ॥ ॐ न ॥ ९ ॥ ॐ नन्दकयूचसङ्काण स्वतयद्रकचद्वय
 ॥ १० ॥ ॐ कास्यद्विद्वर्णसोम्यं नीतांशुमनिरुषणं । सकहंसविमानसु
 प्रादिणीसदितस्मिन् ॥ ससकि । सायूर्ध्वसाङ्गं कलाधातुगक्रियुर्ग
 ॥ अर्थविय ॥ गंदर्वगायत्यादि ॥ ॥ जायभाग ॥ नमस्तुमुनिभ
 थलक्ष्मीजागान्नभानम ॥ वृत्तस्यक्रियततए साद्विरुत्तसुभवः

दि ॥ यूनर्दवियूजनं ॥ युगन ॥ गगाचात्रो यथागकिडागवर्णक
 वा ॥ ० ॥ यूनयुक्तगदविश्रुजनं ॥ निमाल्ययुवाहयम् ॥ ॐ निसहा
 लक्ष्मीवतविधिसमायः ॥ ॥ गुरुमस्तुसर्वदाः ॥



Handwritten text in a script, likely a form of Sanskrit or a related language, located in the bottom left corner of the page.

मंथं यदि ध्वंशुनि स का यथं व स व यं यदि क कं गंग व म्भु व न न वा ड दं स
नं म्भुं व व (थ स का यथं ग य ला क स क व (ग न व मा ध कं (थ स वा ऊ हं स न
व म्भुं लो कं न व या ध कं कं दा (थ स का य लं गं व म्भुं लो कं कं य ग धि दं ध कं (थ स वा ऊ
हं स न व म्भुं लो कं या र्खी द्वा य द न या द व च्छि म थू ल वा म्भुं कि ना ग वा ऊ हं कं न म
हं उ द य नि र्गं ग (थं ध्वंशुं किं न व कं धा न दा व (थ स का यथं ग व म्भुं लो कं लो य द य
स न उ व म्भुं लो कं यं न म म हिं स न ध कं वा ऊ हं स या कं म्भुं ग य धं ना या द (थ
स वा ऊ हं स व द न म्भुं गं वा ऊ हं स वा व व काल म म्भुं द व न द्वा य म ठ व उ य

निरुण्णानमठमठगालं दुधायं नमठवधकं मूनिगकाठयाव सिंक्कयुवानका
 ३॥ उकाव धरिं नदं नाउदं सन द्वा ० नकादाव धकायव वाय कयिं दइ मी ध
 ५ ववस (ग) गमया सा (ग) नाकय निरुण्णं दाव सावसावदं सन कायव वाय क
 यं ना गतागोठद्वं मूनाकुडस्य कायध कं न्वादागायाव धकायव वाय
 द्वादयसकाधजायव वावधव (उ) नथमया दाधर्मनस्रज्जर्वं नदं दासावधकं
 उरुवयागालन धकायव यउवयं गाक इ मी ॥ तस्माद्वाकुवदित वुमिति ॥

॥ धर्मेनर्वकालमसास्यं वाकुयिं नमठवधकावदा ॥ २ ॥ ॥ वर्जयलित
 मूलकुलं मूर्खमिणं नकावथ त यधवानवमूर्खं वाउयुगानिवागित ॥
 ३॥ यलितुननगइवसनीरिद मूर्खं मिणायं मरिद साइनमूर्खवानव
 वाउयुगमाच कादवय ॥ धयाउयाख्यान ॥ (ग) चिनेदिणया वाजासकायन
 मादतया वानवकुदं दव (ग) वनइवसनीसिमर्गन गोठमठस्य मादनकुया
 इमी च्छेदणस धवाउयुगटीमठं गस्य धवानवमठं द्वां सगायाव मूदग
 कविशाल सठं न इग्गुवनस मूरुववयय कयिं दाव सठं जावदियाव वा

ऊयूगठसिउंनकाहावयाव सउं सिमासवयाव नाऊयूगठिऊववइया
थसयाससवानननार्थीठइयां (थसऊउतउठ नाऊयूगयाखालस ऊडि
नीऊइयंठ (थसवानननगयाखायंठरूयाऊयऊडिनिऊडाव थवानननस
वायाव नाऊयूगयाखालसइक ऊडिनीलाईकायावविवइयां थद्यान
उडाव नाऊयूगठिमूयूइवइयां ॥ मूर्खमिगुसदाषण्ठि ॥ धर्तनमूर्ख
मिगुयायमठवधावडा ॥ ३ ॥ ॥ मूर्खगकलसिलस वासादयानकस

चितादिष्टिकस्यदिदाषण दतामन्दविसर्पिनी ॥ कूलणीलमसयाद्रीया
सयायनमठव थमभाऊवमभयाकणीवासविठालन मन्दविसर्पिनीयाया
सीगाकदवखा ॥ धयाडयाखान ॥ गच्छिनीजायासयास मन्दविसर्पिनीया
यासी दूदूयूकींगनवमनयथीठ धवममधूलनयिवाडवव श्रीगदिनी दि
यामवादमभव कणीऊऊन धणीऊडथीठखंडाव धणीयाकवडाव भवा
लावकावधाय ऊकिमन्दविसर्पिनीसन कऊडावभीयऊवन श्रीमथ
दूदूयूकींगनीवइनी ऊयायिऊनविउवयथीठा दसइकावाय श्री

हान याय श्रीकृष्ण ग, कुनरा याडाववा दानविश्व अ धनविश्व नक दयानवयव
 मालवकं (थसगिन धनसाखन लाढादाक नयावचाढ नऊसहिल्विननन अथ (थं हंदा
 कुयनसा थन्यावायौ नम नऊठां ग्यनरुनदाव नऊसहिल्विनक (थनिवा नऊठां
 उमवठाल उंसवयमठव नऊठां उं उववदाव दंसवयवकं थमवांदा थायसवादिगव
 इवा धववसवा रिइयाव नऊठां सयनविद्यादा (थसक गिनयुग याक सहवयमरुया
 व नऊठां उमववलदंसवया (थसधसयसिगिदठादावववां गाभाववकं वलि
 किनियनिवादाव गाभावकनदास्य कणाइकावव द्विधववयं यांदि गिइ कालादाव

भावकवइवां ॥ तस्यानकर्तृवमिति ॥ धननथमसारुवमसयाकं वासवियनं या
 सयायनमठवकाया ॥ ५ ॥ ॥ उकादववृथग्रीवा यववनि मरुपूवा श्रीसाहिना
 विनयानि रे नू पुं वयद्विग ॥ १॥ यठकुवठ मठि वाधिक समूदसववववयई
 व न रे नू पुं वायां मंगव धवग्रहि गरुसिंगाकइवां ॥ धयाडयाख्यान ॥ गवकिर्नसमू
 दस मठि वाधिक वंगवउ रे नू पुं मंगलकाया समूदसववववयं थदि कुकणस
 समूदगवइवइलंहास्यदव कुवठ मठिनलादाव धमनकाठननठंदा (थस
 कुवठ मठिनकाया दिवियुवाइव उयठसठया स्वादइकानद्रीस्यं नं विन्दवय

श्रु १

२

ऊर्गविक्रि विदुनवर्कं शादा (थसकु यउमंठिन धाया थंगडसकु याईवियु वकं ध
याऊननिगिजवयवर्कं डायार्वमठस्यं मनुकाठननवइर्वा (थसकु यउमादनडा
याधुलागावयडाइ द्वां ऊर्नथ (थंगाय वकं चू द्वाणसससुदनवस्यद्वव वृद्धरुल
गिजवयाव ॥ धवृद्धरुलनयदाव नग्वउमंठिनागइर्वा ॥ ॐ ह्यमादि तदाय ॥
धननथव कर्तवसंदि तिइचदावगालीतयवचदा ॥ ५ ॥ ॥ सकेयवल कर्त
वृं कर्तव्यानातिरसंयय यधसंययलितन धनमात्मानियागिर्वा ॥ निष्पयन संयय
यायमाल अतिरसंययइ कामटत्र सादून अतीरसंयययाठालन लियूकनसस्यउंव

रु
उ

श्रु

कताकदवख ॥ धयाउयाख्यान ॥ यद्विर्नवनम अहठियाचुर्क अहउवर्ल अरुठ
सवल्लकु श्रीलादागाथाव क्कादंवाद्युतायाव वाद्युणखिवासादं रुठियास्यं थंदा
वनाण वाद्युक्कादाव वाद्युणअहठियाकास्यं अहठियानं सिकाइर्वा ध्वक्काणस
यक्काकवण आहावमवास्यं डयवसन आहावमालइ वउंवकन धलाखिवा अह
ठिया वाद्यु धनसिंदर्वां दखंदाव धउंवकनभाया आवनिऊनराग्ययायरावम
धन आहावशठलाक्क आवयासावाहन लावालाठुयकं नमखा आववालकिवा
वदगाडयवासनचिंदा कं ० गंग्व धर्कं धूमहानदायदयक लियूकसहिंदरा

य

या गणनिनभकं लियकसदिठतयागणरुतालन लिखनवृद्धाव कथसरुदवयाव
लिकनसूर्य ऊवकताकडुर्वा ॥ अगिसचयदावध ॥ धननअगिसचययायमरावधया ॥ ४ ॥

३॥ ५ ॥ काकायस्यकमिगणि सुठक लूस्यऊवक गनादवृद्धमानूरु यविवावानमा
रु ॥ कावकमिगयवा उर्व द्वास्यथीदुऊवक ॥ धननयविवात्ममरिनिदान ॥ अमि
मागस्यवियाभस्य मलिनयठया ॥ कथ ॥ धयाउयाख्यान ॥ यद्विनीवनस मृगवना
काआदिर्य लानहकियादवधि ॥ कूठनठुंठयदिद्याद्युटाखदाव धवनानकवसमलि
न स्यानदावऊन खदाव सिमागस्यवव धसिमाकासद्याद्युटाठुंठवलि ॥ धमलि

यादरुनयठवय स्यानमालाद्याद्युसकडुदाव ॥ धसद्याद्युस्यकूठनवायावसानदाः
स्य ॥ स्यानमालाखदाव नसतायावधव सनानऊयूजायागदाव धयग्यायममाल
धकंधावदाव ॥ धसमलिननिनधव अनखव कक स्यानकाया ॥ कंधाविस्वासग ॥ ध
यायधकंधावदाव ॥ धसद्याद्युस्यमाल काअरुयवाववियाव कावादाव दिन
युगिथ ॥ धस्यानकाववयमाल ॥ अनदिनयुगिचलाकू धंधाववियधकंधावयाः
दाव दिनयुगिमलिनीन स्यानकास्य द्याद्युणवलाकू धंधाववियाव ध ॥ ध
अन्या नयनयिलाद्याला कालदुंठुर्वा धनलीऊवकवा ॥ काववान धदाका

सायाव मनस्यथा वाद्यवायितियाचकमठव धमनूयस्याचकगुण वाद्यमया
लादि विकृतिवा कृतिनदयकधर्क समधनयादाव वाद्यसकर्वदाव सवालच
काव कायनगावचनयादा रुचि वाद्यसामिस कुलथाल अनगतिगिनसयन
ग्यावन अर्धुडनसर्न ऊयनिनाइनसा अग्यानिमूर्ख कुलथालसामाइनदा
न कुलथालयात्रायदाईन सायमदस्यवया स्वर्गठिचिगावचनयायठववाध
क धमवाद्यणकु धाययस्यवर्ध वावधर्क वावदाव कायणधाय अमगनाइ
नसा द्विताश्चननकालववमलिन कुलथालमाचकयार्ग श्रीगाकाय्या

दन धवनाजायाकगालकायाव लिवलिवयायक नावरावादाव कुलथालया
ककुलयाययादवर्ध स्ववमखात्वाचदासधर्क ऊवकर्वं थालदाव ऊवकन
स्ववखत्वाचनधाय अर्न अर्धवातगायाववयाधर्क वाचदाव धमवाद्यस्य
अमगनिधयइनसा आवगर्धयायधर्क वाचदाव धमकायणधाय मलिति
माचकन मलिनीभाचकलदाव यायक नावरायनि चितमिरादीदधयवधर्क
स्वर्गस्यविदाववस द्विताश्चनया धर्ममलिनितवदास्य कायवा ऊवकवा यनि
वावयादवर्धस्वदाव यनिवावमरिठगास्य मलिसिमागस्यवव धमवाद्य

ॐ
२१

पञ्चाया रुद्धिमलित्य कादानं सिमागस्य विद्यमाला द्विगाथावया र्थं चानकु
लवाधकं वानदान ॥ मालाकावणार्क ॥ मलिनः प्लवकयुग्या ॥ काकायस्य
कृमिगापिधकं ॥ इद्वयविवावदाय ॥ ॥ धननध्वर्थयविवावमर्त्तिनदाव स
ऊननताउताय धर्कं धावदा ॥ ॥ ॥ उयाथनदियत्सर्क नगत्सर्किय
वाकभे काकिवनकसूगण कृष्णस्यार्थानियागित ॥ सामर्थ्यं उयायखउ
यामदगदाव वलनकुयथाऊन कोवन लंसिखलिनउयायन कृष्णस्य
माचकादवरव ॥ ध्याउयाखान ॥ गच्छिर्नगीर्थयागीचस कावणीयवववस

चयं चिदि धववस नाजायुगिअठिठास्नानविद्यादा वमुअर्लकावकुलिन
तायाव उवकितायादा धमायाव वाकायणयाया आवनिगकुमाचकयाकाल
वर्ग धवृद्धालसर्वादि कृष्णस्यार्थन वव्युर्गिंकुअसवाटी वामलावर्ल मादू
यावननयन धननकुअसर्गतिमड संगानमदगदाव स्वर्गविभमड धननश्रा
वणकुमाचकयाकालवर्ल ईईस्नानयागवव अजठिस लंसिखलिकास्यहयाव कृ
ष्णस्यार्थयाद्यालसर्गयधर्क कालवर्दाव लंसिखलीकयाव कृष्णस्यार्थयाद्यालसर्ग
वइर्वा धनलीसहायत्ताकन लंसिखलिकाववानदास्य कृष्णस्यार्थरुनाऊस्यव
याव सय्यमाचकाव लंसिखलीकावइर्वा ॥ उयायवलमिति ॥ धननवलयासिन

सिंह
॥ ७१ ॥ सिंह

उयायवलवननधर्कंधाया ॥ ६ ॥ ॥ यस्यवद्विवर्लंगस्य निवर्द्धमुक्तावलन ॥ ६
यण्यसिंहावननवाजागणकननियामिग ॥ स्यावद्विद्वर्गं उयावलदय निवर्द्धि
यागनावलदय ॥ साद्वनवननयावाजासिंह गणनमाचकादवरव ॥ ध्याउयाखाम
॥ १० ॥ किनवननस सिंहकृष्णं न मृगववाहाआदिन आहावमालइनदास्यं गणकृष्णं
नखनदाव ॥ गणनविनलया आवनीनउनागइययाकालवर्षां द्दं सिंहवा
नार्यलागा आवयाकागलन ॥ गीयमटव जीवसा म्वायउयायनीमायधर्कं मि
हहादाउनवाजासिंहखंडगावाधर्कं ॥ थससिंहन कनवाजाइनसूधर्कं ॥ थ

६३

सगणन कयासिनवलवननभवसिंहदवधर्कं ॥ थससिंहयगिगइयावन ॥ आमथु
इनसा कनवाजासिंहकदधर्कं ॥ थसगणन द्दवधमसास्यं गाथ ॥ माउमइदु ॥
सवायंदाव सिंहयाधवकयाकदइर्वा ॥ थससिंहन दु ॥ १० ॥ सकासायाव रुकवि
याव वादकवया गुणवयाकायावकद ॥ थसथमसंदा ॥ थसिंहगनयाव सा
कसिंहगनयं ॥ दु ॥ १० ॥ सकावादाव थंहावयमदयाव सिंहगाकइर्वा ॥ यथा
सृगं ॥ १० ॥ धर्कं ॥ वृद्धिहिनसदाय ॥ धर्कनसयावद्विद्वर्गं उाक्षयावलदय
धर्कंधायाव ॥ २ ॥ ॥ मृगंयण्यसियुगस्य यूर्क्यण्यमिवात्मन ॥ ३ ॥ हिनव

२२

द्वाकृताश्रिति निम्नहायिकदावन ॥ कृत्वायसि कृत्वादन. थवद्रिथाटमाक
 जन सावगा. लिंनवद्यश्चदाव. गनायिनिदसुधकं नागनयठया
 कध ॥ धयाउयाख्यान ॥ यच्चिनिदगयायावणसवदिदुस. नागयाश्रि
 ता. धणयवदावदिनयर्गि. वाक्कणकृत्वा न. वदया० यातवद. थर्थनला
 विलावदयठयागायाव. नागवाजाटांशानन्दइयाव. सव्यवयनवयाव
 वदयठयधनदाव. वाक्कणसं. लंयलि. थचवर्कधाववियाव. धर्लनवाक्क
 णर्गिधनीइवइ. वाक्कणस. वाक्कणसं. थमलिमलादाव. कायहाटांकाया

वयाथयाचकचकाक. संवाहाटांविया. थर्थ. लंयलि. थचवर्कविया. कायवा
 क्कणसंविनवया. दिनयर्गिया० यातइयाव. काय. कृत्वा नगाचवर्कक्रीतय
 सादावयंमधकविनवया. द्विगाश्चावया. थर्थ. वदयठयर्थोदावनस. नागवा
 जासं. लंयलिविययादवनदासंवाक्कणवान. माठिसयालाहानयं. द्विथाट
 सयालन. द्विथाटउंकवइ. थसनागवाजासं. दसवयवाक्कणवामुखइ.
 वइ. वा. स. द्विगाश्चावयावनस. कायहाटांमवनदान. दाहासंलसानवानदा
 स. कायहाटां. नागनदंसवयंजिठेद. थदि. स्वदाव. धाव. धनाकलयालसस

ऊन२

एययासाकाव उचिरयालअनविगयादाखमधकंधायागायाव नागनधा
या कुनकाय नऊद्धियाग उका नखव कुनकाय दीसवयाधकंधावदाव
वाय्मणस्यथवकाययाअवनाधरावयाव वाय्मणनभाया रुद्धि नागवा
जाम ऊकाययाअयनाधनख मयइरु कुऊआवनहाया कालहान
ऊनया० यागवय कुनलूबुलिथवकावदिदूनधकंधावदाव गगानाग
नाजानिन्नवयवयायीति नसासहनवद्धे ॥००॥ यस्माद्विलंबविद्युः ॥
धननरिन्नवयवदाव सनहामइधकंधावदा ॥१०॥ संप्रदखलकरुवी

०

कालनेवयतिष्ठति यदसंख्यया गन वाय्मणायिव विवृता निश्चयन
कुवमुन संप्रदयामाल वलकालसकुवमुनययागदखवख धनयसवि
इविकन कास्यीस्य वदुणास्यथवयनय वाय्मणटीथव आयतयाका
दवरवाथय्याउयारवाना गिदिनीदणया धनाद्युवाय्मणस कवमानकंधा
कवावतिनीवालिथ्वाद्धुध कुदवसमसंववतिनिटीनवज्ञायाव ध्वाकथिलस्य
रव ध्वाकस्यमवया कयासहदाव म्वाकटीइवा धववस धवदुणासक रि
दुगिनरिद्धादानवव धसवदुणास्य ऊनरिद्धावियमदयाव ऊथथिद

ॐ नमः शिवाय ॥ यत्र नाम यादु गुरुसक आरुह्यो नारुवात्री यायकल सखी ता सखा
मन्त्रे का समाहा मन्त्रे को ये शिवमन्त्रे

आसी ॥ सिद्धा ॥
ता ॥
॥ वा नूद ।
नागा ॥
सना ॥
मस ॥
वेता ॥

देवीसी नाग लेखे व
नूत लेन ॥ आसी ॥ व
वेद लेन ॥ आसी ॥ देव
कान दे लेन ॥ आसी
उनीसीत लेन ॥ आसी
कोटान लेन ॥ आसी
लेखन लेन ॥ आसी
सेव्यान लेन ॥ आसी

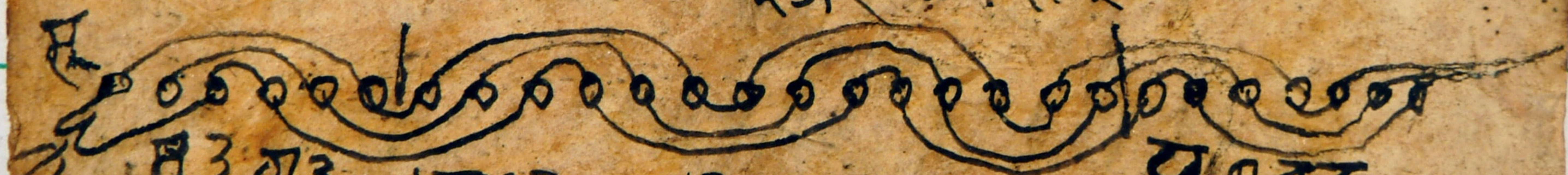
सविम्भः । गये । राय नमः ॥ १ ॥
 भासुमं मग्नानां सा न साभा
 सानमं व्यपयते कसिना
 येन सिद्धये । धा पसेना ॥ १ ॥



समनको नय
 नागा इ नको



१ मृख ३ छं ३ केन ३ मृण
 पूज ३ वाच ३ य



मृ ३ ग ३
 दृशनी

म १३

ली १८

१ यथमव्यय दीनी

य न कल

दं नरेश्वर

दं नरेश्वर

कुस



मूर
मूर
मूर

२ २ २ २ २

केश्वर

युक्त
वाचेश्वर

१ नमन कुतरी तीस गाय शिव नकुतता ॥ ७३ रुद्र रुद्र ७४ य ॥
का नरेश्वर ॥ केवारी नमय ॥

१ संवत् १३ यनाथाया रुद्रवती दयका सीती ७३ रु ॥

संवत् ३०० लोतद सया वीकाथ झा डी दयका सीती ॥

संवत् २०१ या ७४ खत दयका सीती ७३ रु ॥

१ वाक्का के झा रुद्रानी शयमद ॥ सासिय झा सुनी वान
मद ॥ लान झा देखी शयमद ॥ मिरवा सिय झा दाना

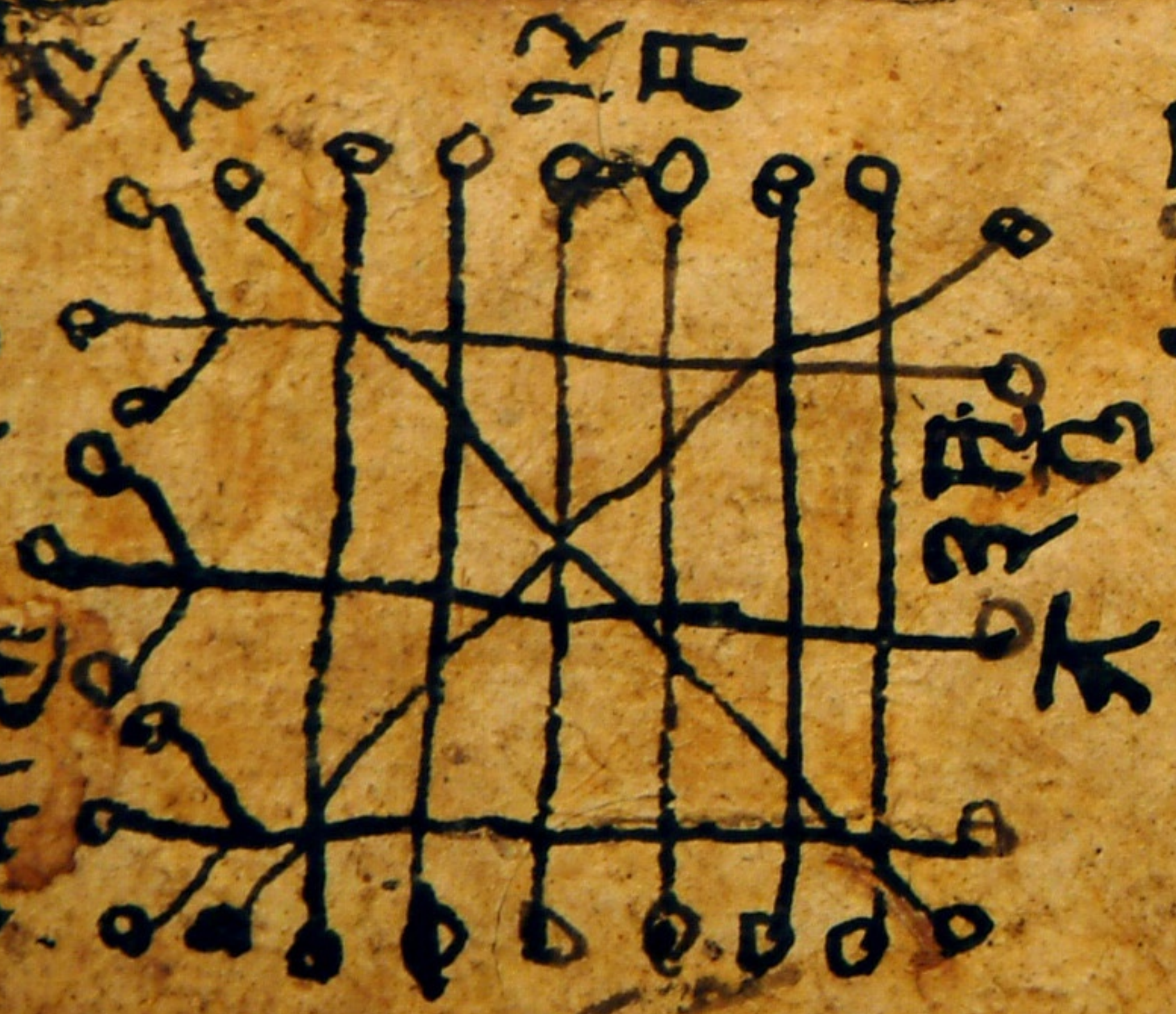
शयमद ॥

२ वा मूला ॥

१ रुसन कुतुतीना य इ व
न कुतुता ॥ कारय क थ ॥



५ म म ३ म ३



१ रुसन कुतुतीना य
आ य इ न कुतुता ॥

